IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षकों की शिक्षण शैली के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अध्ययन

प्रोफेसर (डॉ0) रीता श्रीवास्तव
शिक्षा–प्रशिक्षण विभाग
ए0एन0डी0 नगर निगम महिला
महाविद्यालय, कानपुर (उ0प्र0)

प्रीती पाठक
शोध छात्रा, शिक्षा विभाग,
छत्रपति शाहू जी महाराज
विश्वविद्यालय, कानपुर (उ0प्र0)

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को कई नवाचारों के साथ प्रस्तुत किया गया है जो वास्तव में वर्तमान परिदृश्य की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति का संबंध सीखने वाले की आत्मक्षमता, संज्ञानात्मक कौशल, रचनात्मक क्षमता आदि को बढ़ाकर सीखने की प्रक्रिया को और अधिक कुशल बनाना है। पहले की शिक्षा प्रणाली मूल रूप से परिणाम देने पर केंद्रित थी विद्यार्थियों का आकलन प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाता था यह विकास के लिए एकल दिशा वाला दृष्टिकोण था किंतु ठीक इसके विपरीत नई शिक्षा नीति बहुविषयक दृष्टिकोण की प्रसंगिकता पर केंद्रित है जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है।

विद्यार्थियों एवं राष्ट्र के समग्र विकास हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रक्रियाओं के सुधार पर भी विशेष रूप से जोर दिया गया है जिससे शिक्षकों के शिक्षण कार्य को गुणवत्तापूर्ण बनाकर उनकी विशेषज्ञता, प्रदर्शन, प्रतिनिधित्व, औपचारिक अधिकार, व्यवहार परिवर्तन जैसी शैलियों को अच्छा बनाया जा सकेगा जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विजन की पूर्ति के लिए अति आवश्यक है क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मानना है कि छात्रों और राष्ट्र के सर्वोत्तम भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों का सशक्तिकरण अति आवश्यक है। प्रस्तुत शोध पत्र के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित शिक्षक संबंधी संस्तुतियाँ किस प्रकार से शिक्षकों की शिक्षण शैली को प्रभावित करेंगी की विवेचना की गई ।

मुख्य शब्द–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, नई शिक्षा नीति, शिक्षक, शिक्षक–शिक्षा, शिक्षण शैली।

प्रस्तावना

शिक्षा एक सोद्देश्य एवं गत्यात्मक प्रक्रिया होती है जिसके द्वारा मनुष्य की अंतर्निहित शक्तियों एवं क्षमताओं का विकास किया जाता है। राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रगति के लिए आवश्यक ही नहीं अपितु अपरिहार्य है कि राष्ट्र के सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का तात्पर्य उस प्रकार की शिक्षा से है जो व्यक्तियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास के साथ ही उनमें विशिष्ट प्रौद्योगिकी, तकनीकी क्षमता एवं कौशल का विकास कर उनको सम्मानजनक जीविकोपार्जन के योग्य बना सके। शिक्षा के इस व्यापक उद्देश्य की पूर्ति हेतु 34 साल बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का निर्माण किया गया यह भारत सरकार की नई शिक्षा नीति है जिसे 29 जुलाई 2020 को घोषित किया गया । सन् 1986 में जारी हुई शिक्षा नीति के बाद भारत की शिक्षा नीति में यह पहला नया परिवर्तन है । नई शिक्षा नीति 2020 अंतरिक्ष वैज्ञानिक के0कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर आधारित है। एन0ई0पी02020 के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि– ***"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इक्कीसवीं सदी के भारत को मजबूत करने की नींव है।"***

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के द्वारा एजुकेशन फॉर ऑल एवं वर्ष 2030 तक सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrollment Ratio–GER) को 100% लाने जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों को रखा गया है। इन लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विकास जिन आधारभूत सिद्धांतों के आधार पर किया गया है वह है–हर बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान, स्वीकृति और उनके विकास हेतु प्रयास करना, बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सर्वाधिक प्राथमिकता देना, बहुविषयक एवं समग्र शिक्षा का विकास, अवधारणात्मक समझ पर जोर, रचनात्मकता और तार्किक सोच को

बढ़ावा, नैतिक, मानवीय एवं संवैधानिक मूल्यों को मान्यता, बहुभाषिकता को महत्व, जीवन कौशल को प्रोत्साहन, सीखने के लिए सतत मूल्यांकन पर जोर, तकनीकी के यथासंभव उपयोग पर जोर, विविधता एवं स्थानीय परिवेश के लिए सम्मान, शिक्षकों एवं संकायों को सीखने की प्रक्रिया का केंद्र मानना, उत्कृष्ट स्तर का शोध, भारतीय जड़ों और गौरव से बंधे रहना, शिक्षा एक सार्वजनिक सेवा आदि इन सिद्धांतों से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक व्यापक एवं लक्ष्य केंद्रित नीति है जिसकी सफलता के लिए एक सशक्त शैक्षिक तंत्र की आवश्यकता है और शिक्षक इस तंत्र का अति महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि शिक्षक अपनी दक्षताओं, कुशलताओं, शिक्षण शैली, गहन ज्ञान आदि के द्वारा शिक्षार्थी के भविष्य निर्माण में निस्वार्थ भाव से अपनी सेवा देते है।

शिक्षण शैली विशिष्ट प्रकार के संज्ञानात्मक एवं शारीरिक कारकों का एक मिश्रण होता है जिसके द्वारा शिक्षक परिस्थिति अनुकूल उचित शिक्षण शैली का चुनाव करके अपने शिक्षण के माध्यम से बच्चों के भविष्य को आकार देते हैं तथा छात्र और शिक्षक दोनों मिलकर हमारे समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करते हैं। शिक्षक के महत्व को समझते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी शिक्षकों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण नीतियों का निर्माण किया गया है जिससे शिक्षकों के शिक्षण कौशल एवं शैलियों को निखारा जा सकेगा एवं शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विजन को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

तिवारी, रविन्द्रनाथ (2020) ने, *''राष्ट्रीय शिक्षा नीति और शिक्षक''* नाम के अपने लेख में कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य है अच्छे मनुष्यों का विकास करना जो कि तर्कसंगत विचार और कार्य करने में सक्षम हो जिसमें करुणा और सहानुभूति, साहस और लचीलापन, वैज्ञानिक चिंतन, रचनात्मक कल्पनाशक्ति, नैतिक मूल्य जैसी भावनाओं का विकास हो और ऐसी गुणवत्तापरक शिक्षा देने के लिए उच्च शैली वाले शिक्षकों का निर्माण नई शिक्षा नीति का महत्वपूर्ण विजन है।

शर्मा, देशराज (2020) ने, *''भारत केन्द्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति वैश्विक उद्देश्यों की पूर्ति करेंगी''* नाम के अपने लेख में कहा है कि शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को अधिकार संपन्न बनाकर ही इस नीति की सफलता की उम्मीद की जानी चाहिए जिसके स्पष्ट प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति ड्राफ्ट में परिलक्षित होते हैं।

रघुवंशी, पिंकेशलता (2020) ने, *''सा विद्या या विमुक्तये को प्रकट करती राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020''* नाम के अपने लेख में कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस प्रकार से शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगी जिससे शिक्षण प्राथमिकता बने एवं विश्वविद्यालयों के सबसे उत्कृष्ट छात्र शिक्षण को अपनाएं, By chance नहीं वरन By Choice शिक्षक का पद ग्रहण किया जाए।

तिवारी, रविन्द्रनाथ (2021) ने, *''भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति''* नाम के अपने लेख में कहा है कि शिक्षा व्यवस्था में किए जा रहे बुनियादी बदलाव के केंद्र में निश्चित तौर पर शिक्षक होने चाहिए यह नीति निश्चित तौर पर प्रत्येक स्तर पर शिक्षकों को समाज के सर्वाधिक सम्मानीय और श्रेष्ठ सदस्य के रूप में पुनः स्थान देने में सहायक होगी । इस नीति द्वारा शिक्षकों को सक्षम बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाने की योजना है जिससे वह अपने कार्य को प्रभावी रूप से कर सके।

एस0, स्मिता (2020) ने, *''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षक शिक्षा में अवसर और चुनौतियां''* नाम के अपने लेख में बताया है कि सतत् व्यवसायिक विकास (CPD) जैसे कार्यक्रमों द्वारा शिक्षकों को खुद में सुधार करने के लिए अपने व्यवसाय से सम्बन्धित आधुनिक विचार, नवाचार एवं शैलियों को सीखने के पर्याप्त अवसर प्राप्त होगें।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं–

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विजन की विवेचना करना।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित शिक्षक संबंधी संस्तुतियों का विश्लेषण करना।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षक संबंधी संस्तुतियाँ किस तरह से शिक्षकों की शिक्षण शैली को प्रभावित करेंगी का विश्लेषण करना ।

विवेचना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विजन भारतीय मूल्यों से पोषित शिक्षा प्रणाली को विकसित करना है जिससे राष्ट्र के नागरिकों को उच्चतर गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराकर भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाया जा सके नीति का विजन छात्रों में भारतीय होने का गर्व ना केवल व्यवहार, बुद्धि, कार्यों में बल्कि ज्ञान, कौशल, मूल्य और सोच में भी उत्पन्न करना है जिससे छात्रों में ऐसे उच्चतर गुणों का विकास किया जा सके कि वह मानवाधिकारों, स्थाई विकास, जीवन यापन तथा वैश्विक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर सही मायने में वैश्विक नागरिक बन सके इस विजन की पूर्ति हेतु शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच को सुनिश्चित करना एन0ई0पी0 का अति महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

एन0ई0पी02020 के विजन को पूरा करने एवं शिक्षा के सार्वभौमिक पहुंच को सुनिश्चित करने में शिक्षक एवं उनकी शिक्षण शैली महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे यदि हम शिक्षण शैली की बात करें तो शिक्षण शैली को सामान्य अर्थ में शिक्षकों के विद्यालयी व्यवहार से लिया जाता है।

विद्यालय में शिक्षक द्वारा शिक्षण प्रक्रिया एवं अन्य पाठ्य सहगामी क्रियाओं के संचालन में जो व्यवहार किया जाता है उसे शिक्षण शैली कहते हैं। विषय विशेषज्ञता, प्रदर्शन, प्रतिनिधित्व, औपचारिक अधिकार, अधिगम स्थितियों का निर्माण, व्यवहार परिवर्तन, छात्र सहभागिता, स्व अधिगम की प्रेरणा, प्रबंध संबंधी क्रियाकलाप आदि शिक्षण शैली के कुछ प्रमुख आयाम है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधान शिक्षकों की शिक्षण शैली को किस प्रकार से प्रभावित करेंगे इसको हम अग्रलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझ सकते हैं–

- नई शिक्षा नीति प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई–Early Childhood care and Education) को सीखने की नीव के रूप में मानती है एवं नई शिक्षा नीति ईसीसीई शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, को एनसीईआरटी द्वारा विकसित पाठ्यक्रम/शिक्षणशास्त्रीय फ्रेमवर्क के अनुसार व्यवस्थित तरीके से प्रशिक्षण देने की बात करती है। ईसीसीई स्तर के शिक्षकों की शिक्षण शैली को बेहतर बनाने का यह एक महत्वपूर्ण सुझाव है ।
- नई शिक्षा नीति की सर्वोच्च प्राथमिकता 2025 तक प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को प्राप्त करना है। जिसके लिए सर्वप्रथम शिक्षकों के रिक्त पदों को जल्द से जल्द और समयबद्ध तरीके से भरा जाएगा। विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों एवं उन क्षेत्रों में जहाँ शिक्षक छात्र अनुपात असंतुलित है तथा साक्षरता की दर निम्न है वहां स्थानीय शिक्षकों या स्थानीय भाषा से परिचित शिक्षकों को नियुक्त करने पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा। सामान्य क्षेत्रों में शिक्षक छात्र अनुपात (पीटीआर) 30:1 और वंचित क्षेत्रों में शिक्षक छात्र अनुपात 25:1 सुनिश्चित किया जाएगा। नई शिक्षा नीति का यह प्रयास शिक्षकों की शिक्षण शैली को दो प्रकार से प्रभावित करेगा–

1. उचित छात्र शिक्षक अनुपात होने से शिक्षकों पर कार्यभार कम होगा जिससे उनकी शिक्षण शैली सकारात्मक रूप से प्रभावित होगी और उनका प्रदर्शन अधिक प्रभावपूर्ण होगा।
2. स्थानीय शिक्षकों की नियुक्ति से वह स्थानीय आवश्यकता के अनुसार अपने ज्ञान को उपयोग करके छात्रों का उचित प्रकार से प्रतिनिधित्व कर पाएंगे स्थानीय शिक्षकों का स्थानीय ज्ञान भी शिक्षकों की शिक्षण शैली, प्रदर्शन, प्रतिनिधित्व आदि को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा।

- नई शिक्षा नीति सभी चरणों में प्रायोगिक अधिगम को अपनाने की बात करती है प्रायोगिक अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को अपनी शिक्षण शैली में भी प्रायोगिक ज्ञान एवं क्षमताओं को शामिल करना पड़ेगा ।
- **सतत व्यवसायिक विकास (सीपीडी)–** सीपीडी के द्वारा शिक्षकों को खुद में सुधार करने एवं व्यवसाय से सम्बन्धित आधुनिक विचारों और नवाचारों को सीखने के पर्याप्त एवं सतत अवसर प्रदान किए जाएंगे । सीपीडी को स्थानीय, क्षेत्रीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं के साथ साथ ऑनलाइन शिक्षक मॉड्यूल के रूप में विभिन्न तरीकों से पेश किया जाएगा । प्रत्येक शिक्षक से अपेक्षित होगा कि वह स्वयं के व्यवसायिक विकास के लिए स्वेच्छा से प्रत्येक वर्ष 50 घंटे के सीपीडी कार्यक्रम में अपनी साझेदारी को सुनिश्चित करें ।
- **कॅरियर मैनेजमेंट और प्रगति (सीएमपी)–** सीएमपी के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों की पहचान कर उन्हें पदोन्नति और वेतन वृद्धि प्रदान की जाएगी जिससे कि सभी शिक्षकों को अपना बेहतरीन कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिले। शिक्षकों की उत्कृष्टता की माप के लिए मल्टीपल पैरामीटर्स की एक व्यवस्था को स्थापित किया जाएगा। उत्कृष्टता के आधार पर शिक्षकों को वर्टिकल मोबिलिटी के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे ।
- **विशिष्ट शिक्षक**– स्कूल शिक्षा के कुछ क्षेत्रों में अतिरिक्त विशिष्ट शिक्षकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सामान्य शिक्षकों में द्वितीय विशेषज्ञता को विभिन्न सेवाकालीन एवं पूर्व सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा विकसित किया जाएगा। यह विशेष शिक्षक विषय शिक्षण के साथ–साथ विशिष्ट बालकों की विशेष आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षण प्रक्रिया को गति दे सकेंगे विशिष्ट शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एनसीटीई और आरसीआई के पाठ्यक्रम के बीच व्यापक तालमेल को सक्षम किया जाएगा ।
- **शिक्षक शिक्षा का दृष्टिकोण**– शिक्षकों के प्रशिक्षण के महत्व को समझते हुए नई शिक्षा नीति में शिक्षक शिक्षा से सम्बन्धित जो सुझाव प्रस्तुत किए गए हैं वह शिक्षक शिक्षा के प्रति इस नीति के व्यापक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है जिसके कुछ प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं–

  - **एकीकृत बी.एड पाठ्यक्रम–**शिक्षक शिक्षा को 2030 तक बहुविषयक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शामिल करके 4 वर्षीय एकीकृत बी.एड पाठ्यक्रम को लागू किया जाएगा। जिसमें विस्तृत ज्ञान एवं अध्यापन सामग्री के द्वारा भावी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा । 4 वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) एक दोहरी स्नातक डिग्री है जिसके द्वारा बी0ए0–बी0एड0, बीएससी–बी.एड, बी0कॉम–बी0एड पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है। एकीकृत पाठ्यक्रम से छात्रों को काफी लाभ होगा क्योंकि

वह वर्तमान बी.एड पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक 5 सालों के बजाय 4 साल में ही इसे पूरा कर सकेंगे। आईटीईपी माध्यमिक शिक्षा के बाद से ही इच्छुक छात्रों को शिक्षक के रूप में प्रशिक्षित करने का कार्य करेगी जिससे छात्रों में उचित शिक्षण अभिवृत्ति का निर्माण हो सकेगा जो उनकी शिक्षण शैली, शिक्षण दक्षता, व्यवसाय प्रतिबद्धता आदि को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगी।

- भावी शिक्षकों के व्यवहारिक प्रशिक्षण पर भी नई शिक्षा नीति द्वारा विशेष रुप से ध्यान केंद्रित किया गया है।
- सभी बी.एड कार्यक्रमों में शिक्षण शास्त्र की जांची–परखी तकनीकों के साथ–साथ सबसे नवीनतम तकनीकों द्वारा भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह नवीनतम तकनीकी भावी शिक्षकों की शिक्षण शैली को नई दिशा प्रदान करेंगी।
- कुछ विशेष अल्पअवधि के स्थानीय शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम बीआईटीई, डीआईईटी या स्वयं स्कूल परिसरों में भी उपलब्ध होंगे जिसमें स्थानीय व्यवसाय, ज्ञान कौशलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रख्यात स्थानीय व्यक्तियों को मास्टर प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा ।
- बहुविषयक कालेजों और विश्वविद्यालयों में उन शिक्षकों को बी.एड के बाद कुछ अल्पअवधि के सर्टिफिकेट कोर्स भी व्यापक रूप से उपलब्ध करवाए जाएंगे जो शिक्षण के विशिष्ट क्षेत्रों में जाना चाहते हैं ।
- एनसीटीई द्वारा एनसीईआरटी के परामर्श से नई शिक्षा नीति 2020 के सिद्धांतों के आधार पर एक नवीन और व्यापक अध्यापक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा एनसीएफटीई 2021 तैयार की जाएगी ।

उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि शिक्षक शिक्षा से सम्बन्धित यह संस्तुतियां जैसे–एकीकृत बी.एड पाठ्यक्रम, व्यवहारिक प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीकी का प्रशिक्षण में समावेश, स्थानीय शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम, विशिष्ट क्षेत्रों में जाने हेतु अल्पअवधि के कोर्स शिक्षकों की शिक्षण शैलियों को नई दिशा प्रदान करने में सकारात्मक रूप से प्रभावी होंगे ।

- **मिश्रित मॉडल–**नई शिक्षा नीति सीखने के मिश्रित मॉडल की बात करती है जिसमें डिजिटल शिक्षा एवं परंपरागत शिक्षा को एकीकृत किया जाएगा। इस मिश्रित मॉडल को अपनाने के लिए शिक्षकों की तकनीकी दक्षता एवं तकनीकी शिक्षण शैलियों में वृद्धि करनी होगी। शिक्षकों की तकनीकी दक्षता एवं तकनीकी शिक्षण शैलियो में वृद्धि करने के लिए नई शिक्षा नीति शिक्षकों को प्रोत्साहित एवं प्रशिक्षित करने की बात करती है। जिसके द्वारा शिक्षकों को ई–कन्टेन्ट विकसित करने, ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म के व्यावहारिक प्रयोग करने, ऑनलाइन मूल्यांकन प्रविधियों एवं परीक्षाओं आदि से परिचित कराया जाएगा एवं इनके उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

निष्कर्ष–शिक्षक, शिक्षा प्रक्रिया का मेरुदंड होते हैं इसलिए उनका स्थान सर्वोच्च होना चाहिए एवं उनका प्रशिक्षण भी उसी के अनुरूप होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षक एवं शिक्षक शिक्षा सम्बन्धित संस्तुतियों का अध्ययन करने पर यह पता चलता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षक के महत्व एवं प्रशिक्षण का प्रबल समर्थन करती है। लगभग सभी संस्तुतियां जैसे–ईसीसीई शिक्षकों को एनसीईआरटी द्वारा प्रशिक्षण, सीपीडी, सीएमपी, एकीकृत बी.एड पाठ्यक्रम, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहन, शिक्षकों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण की व्यवस्था, मिश्रित मॉडल, प्रायोगिक अधिगम आदि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षकों की शिक्षण शैलियों, दक्षताओं और कुशलताओं को प्रभावशाली बनाने का कार्य करेंगी।

अतः हम कह सकते हैं कि 21वीं सदी के भारत की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एवं भारतीय शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने हेतु जिस नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी गई है अगर उस में प्रस्तावित शिक्षक सम्बन्धित संस्तुतियों का सफल तरीके से क्रियान्वयन होता है तो यह नई प्रणाली शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षण व्यवसाय को नई दिशा एवं दशा प्रदान करेगी ।

संदर्भ

- **पाण्डेय, सुनील कुमार(2022).** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यवसायिक शिक्षा की संकल्पनाःअवसर एवं चुनौतियां. **IJARSCT. Volume 2.Issue 1. Retrieved from https://ijarsct.co.in/**
- **रघुवंशी, पिंकेशलता (2020).** सा विद्या या विमुक्तये को प्रकट करती राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. **Retrieved from https://rashtriyashiksha.com/national-education-policy-2020-revealing-sa-vidya-ya-vimuktaye/**
- **एस0 स्मिता (2020).** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षक शिक्षा में अवसर और चुनौतियां. **International Journal of Management. volume 11.Issue 11.Retrieved from https://rashtriyashiksha.com/bharat-centric-national-education-policy-will-serve-global-objectives/**
- **सारस्वत एवं श्रीवास्तव (2007).** भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्याएं, इलाहाबाद : न्यू कैलाश प्रकाशन।
- **शील, अवनींद्र (2011).** भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएं, कानपुर : साहित्य रत्नालय पब्लिकेशन।
- **शर्मा, देशराज (2020).** भारत केन्द्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति वैश्विक उद्देश्यों की पूर्ति करेंगी। **Retrieved from https://www.academia.edu/45592757/NATIONAL_EDUCATION_POLICY_NEP_2020_OPPORTUNITIES_AND_CHALLENGES_IN_TEACHER_EDUCATION**

- **शर्मा, आर0ए0(2009).** अध्यापक शिक्षा, मेरठ : इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस।
- **तिवारी, रविन्द्रनाथ (2020).**राष्ट्रीय शिक्षा नीति और शिक्षक. **Retrieved from https://rashtriyashiksha.com/national-education-policy-and-teacher/**
- **तिवारी, रविन्द्रनाथ (2021).** भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति. **Retrieved from https://rashtriyashiksha.com/indian-knowledge-tradition-and-national-education-policy/**
- **त्यागी, गुरसरनदास (2003).** भारतीय शिक्षा का परिदृश्य, आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर।
- **https://www.drishtiias.com/hindi/burning-issues-of-the-month/new-education-policy**
- **https://kisansuchna.com/nai-rashtriya-shiksha-niti-2020/**
- **https://www-hindustantimes-com.translate.goog/education/pm-modi-on-new-national-education-policy-live-updates-conclave-on-higher-education-reforms-begins/story-z3sKfkQ72G9y3s9eobsWHM.html?_x_tr_sl=en&_x_tr_tl=hi&_x_tr_hl=hi&_x_tr_pto=tc,sc**
- **https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1767004**

International Research Journal
IJNRD
Research Through Innovation